RJ-01

June - Examination 2016

B.A. Pt. I Examination

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

Paper - RJ-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ' 'ब' अर 'स' में बँट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

निर्देश : इण खण्ड में दियौड़ा सगळा सवालां रौ ऊथळौ देवणौ जरूरी है। सबद सींव, सबद एक वाक्य या अधिकतम 30 सबद हैं।

1) (i) 'बालावबोध' सूं आप कांई अरथ करौ?

(ii) उपन्यास 'कनक सुंदर' रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(iii) विजयदान देथा रौ जलम कठै हुयौ?

(iv) 'रजपूताणी' कहाणी रा रचनाकार कुण है?

(v) 'फुरसत' कहाणी रा लेखक कुण है?

(vi) शिवराज छंगाणी रौ जलम कठै हुयौ?

(vii) 'पागी' किणरी रचना है?

(viii) नाट्यपोथी 'इब तो चेतो' रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(ix) पुरस्कृत नाटक 'धरमजुद्ध' रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(x) अैतियासिक नाटक 'पन्नाधाय' रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां प्रश्नां में सूं कोई चार प्रश्न करणा है। सबद सींव 200 सबद है।

2) राजस्थानी औतियासिक गद्य री संक्षेप में जाणकारी प्रस्तुत करौं।

3) प्रमुख कहाणीकार रामेश्वरदयाल श्रीमाळी रौ राजस्थानी साहित्य में योगदान उजागर करौ।

4) सप्रसंग व्याख्या करौः

''– तैं सुण्यौ?
– कांई?
– जगन्नाथ नुंवी लुगाई लावैलो।
– नीं रै ..... !
– नीं रै क्यांरी – सोळै आनां खी बात!
– क्यूं, कोई नुंवादी बात है कांई?
– पण पछै क्यांरी?''

5) ''फुरसत'' कहाणी रौ आसय आप रै सबदां में लिखौ।

6) राजस्थानी री अैतियासिक अेकांकियाँ री जाणकारी करावौ।

7) रावत सारस्वत रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

8) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' रचित उपन्यास 'जोग–संजोग' री जाणकारी देवौ।

9) राजस्थानी रा अैतियासिक नाट्य साहित्य बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

(खण्ड – स) **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै दियौड़ा प्रश्नां में सूं कोई **दो** प्रश्न करणा है। सबद सींव 500 सबद है।

10) राजस्थानी गद्य रौ उद्‌भव अर विकास विस्तार सूं स्पष्ट करौ।

11) ''कांचळी'' कहाणी री विस्तार सूं विवेचना करौ।

12) ब्रजनारायण पुरोहित रा रेखा चितरामां री विसेसतावां रौ वर्णन करौ।

13) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' रौ व्यक्तित्व अर कृतित्व विस्तार साथै समझावौ।